एनसीएफ 2023: स्कूल शिक्षा के उद्देश्य और पाठ्यचर्या क्षेत्र

विक्की सिंह
असिस्टेन्ट प्रोफेसर
ओमकारानन्द इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलॉजी,
ऋषिकेश. मो0: 7668035320

सारांश -

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क प्रकाशित चार राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क ढांचे में से एक है। 1975, 1988, 2000 और 2005 में। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा NCF2023 पूरे भारत में पाठ्यक्रम: पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण प्रथाओं को डिजाइन करने के लिये एक व्यापक दिशा-निर्देश के रूप में कार्य करता है। NCF2023 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य शिक्षा के लिये समग्र समावेशी और बहु-विषयक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। यह नवीनतम ढांचा NCF 2023 में निर्धारित मूलभूत सिद्धान्तों पर आधारित है, जिसका विस्तार 3 से 18 वर्ष की आयु तक स्कूल शिक्षा के सभी चरणों को कवर करने के लिये किया गया है।

मेरा मानना है कि हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि शिक्षा सुधार के सिद्धान्तों को पहली बार श्री अरबिन्दो ने 100 साल पहले राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली पर अपने निबन्धों में व्यक्त किया था, जिसकी परिणिति राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा तैयार की गई पद्धति में हुई है, जिसे केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSC) द्वारा अपनाया गया है, और अब राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जा रहा है। NCF के रूप में जाना जाता है। यह दस्तावेज शिक्षा के सिद्धान्त, जो यह बताते हैं, दुनिया के कई स्कूलों में आज प्रचलित सबसे प्रगतिशील बाल-केन्द्रित शैक्षिक विचारों और रणनीतियों को मूर्त रूप देते हैं और आरम्भिक दशकों में श्री अरबिन्दो द्वारा व्यक्त अन्त दृष्टि की व्यापक प्रकृति का वर्णन करते हैं और 20वीं शताब्दी के 40 और 50 के दशक में माता द्वारा उनके मौलिक विचार प्रगतिशील शिक्षा सुधार के मानदंड बन गये हैं। इस संक्षिप्त निबन्ध का उद्देश्य इस उल्लेखनीय उपलब्धि की संक्षिप्तता को प्रदर्शित करना है।

की वर्ड - एनसीएफ 2023, स्कूल शिक्षा, एनईपी 2020, पाठ्यक्रम ।

बीज शब्द:NCF 2023, स्कूल शिक्षा,पाठ्यचर्या रूपरेखा,बहु-विषयक शिक्षा,समग्र शिक्षा,ज्ञान, क्षमता,मूल्य,शिक्षार्थी-केन्द्रित दृष्टिकोण,आलोचनात्मक सोच,समावेशी शिक्षा,प्रयोगात्मक अधिगम,तकनीकी एकीकरण,मूल्यांकन प्रणाली,शिक्षकों का व्यावसायिक विकास,बोर्ड परीक्षाएँ,व्यावसायिक शिक्षा,शारीरिक शिक्षा,कला एवं संस्कृति,भाषा शिक्षा,

प्रस्तावना -

भारतीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 06 अप्रैल 2023 को जारी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा NCF 2023 School Education प्रथम ड्राफ्ट जारी किया गया था, जिसे सभी विद्वतजनों के सुझाव लेने के लिये जारी किया गया था। यह दस्तावेज भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में काफी चर्चा एवं कौतूहल का विषय रहा है। इसके पूर्व 2022 में शिक्षा के आधारभूत चरण के लिये राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा जारी हुई थी। यह दोनों ही फ्रेमवर्क राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित है। NCF 2023 School Education का उद्देश्य स्कूली शिक्षा के छात्रों के सीखने और शिक्षकों के पढ़ाने के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाना है ।

NCF 2023 School Education यह फ्रेमवर्क, जो देश में स्कूली शिक्षा के लिये एक दिशा-निर्देश के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य बच्चों में सोच, रचनात्मकता और समस्या को सुलझाने के कौशल को विकसित करने पर जोर देना है। इसे गेम -चेंजर के रूप में सराहा जा रहा है। माना जा रहा है कि यह फ्रेमवर्क भारतीय शिक्षा प्रणाली को बदल सकता है। यह रूपरेखा एक शिक्षार्थी-केन्द्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देती है जो छात्रों की विविध आवश्यकताओं और हितों को ध्यान में रखता है। यह शिक्षा में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने और डिजिटल साक्षरत को बढ़ावा देने के महत्व पर भी जोर देता है। हालांकि NCF2023 को लागू करने की व्यवहार्यता और शिक्षकों के लिये पर्याप्त संसाधनों और प्रशिक्षण की आवश्यकता के बारे में भी चिन्ताएँ हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में हम देखेंगे कि भारतीय शिक्षा प्रणाली को उन्नत करने के लिये इस फ्रेमवर्क में क्या-क्या प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही स्कूली शिक्षा पर NCF 2023 के सम्भावित प्रभाव आने वाली चुनौतियों का पता लगाएँगे।

अध्ययन के उद्देश्य -

1.स्कूल शिक्षा के संबंध में NCF 2023 के विजन का अध्ययन करना।
2.विद्यमान स्कूल शिक्षा में पाठ्यचर्या संबंधी दोषों की समीक्षा करना।
3.स्कूल शिक्षा के लिये छब्थ् 2023 द्वारा सुझाए गए पाठ्यचर्या निवेश की समीक्षा और चर्चा करना।
4.NCF 2023 के मार्ग में आने वाली बाधाओं पर चर्चा करना।
5.इन बाधाओं को हल करने के लिये समाधान पर चर्चा करना।
6.NCF 2023 के पहलुओं पर सुझाव देना।

कार्य प्रणाली -

वर्तमान पेपर एक दस्तावेजी अध्ययन और प्रकृति गुणात्मक और सैद्वान्तिक शोध है। शोधार्थी द्वारा सामग्री विश्लेषण विधि का उपयोग किया गया था। यह शोध कार्य मुख्य रूप से आधिकारिक दस्तावेजी साक्ष्यों और पुस्तकों, ई-पुस्तकों, पत्रिकाओं, लेखों, वेबसाइटों, विभिन्न संगठनों की रिपोर्टों, इंटरनेट ब्लॉगों और लिखित दस्तावेजों जैसे सूचना के विभिन्न स्रोतों पर आधारित है।

NCF 2023 का मुख्य उद्देश्य -

इस NCF 2023 का बड़ा उद्देश्य भारत के विद्यालयी शिक्षा प्रणाली को सकारात्मक रूप से संवर्धित करने में सहायता करना है, जैसा कि NCF2020 में कहा गया है, जिसे पाठ्यक्रम में सकारात्मक परिवर्तनों के माध्यम से किया जा सकेगा।

सकारात्मक बदलाव से आशय है कि यह बदलाव केवल विचारों में ही नहीं बल्कि शिक्षा में व्याप्त दोषपूर्ण अभ्यास में बदलाव लाना है। क्योंकि 'पाठ्यक्रम' शब्द विद्यार्थी के विद्यालय में कुल अनुभवों को संक्षेप में बाँधता है और 'अभ्यास' केवल पाठ्यक्रम सामग्री और शिक्षण-प्रणाली के ही सन्दर्भ में नहीं होता, बल्कि विद्यालय के पर्यावरण और संस्कृति को भी शामिल करता है।

समाज का विजन और शिक्षा का विजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा है जबकि इस विजन एवं शिक्षा का विजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा हैं, जबकि इस दूरदर्शिता को प्राप्त करने के लिये हमें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा में स्कूली शिक्षा का उद्देश्य, वांछनीय मूल्य और स्वभाव, क्षमताएँ और ज्ञान, पाठ्यचर्या के क्षेत्र, संस्कृति, प्रक्रियाएँ

सभी को NCF में विस्तार से विचार पड़त है। इस लिहाज से NCF 2023 इसे पूरा करता है।

स्कूली शिक्षा का उद्देश्य - NCF 2020 में जो शिक्षा का दृष्टिकोण रखा गया है, उसे स्कूली शिक्षा द्वारा व्यक्तियों में वांछनीय मूल्यों, क्षमताओं और ज्ञान विकसित करके प्राप्त किया जा सकता है पर उसके लिये हमें ज्ञान, क्षमता, मूल्य जैसे शब्दों को समझना होगा।

1.ज्ञान: इस दस्तावेज के अनुसार ज्ञान सिर्फ यह जानना भर नहीं है कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है बल्कि इस तथ्यों के सत्य होने के बारे में तर्क करने की क्षमता है। ज्ञान तर्कसंगत विचार करने और उसमें कार्यवाही करने में सक्षम बनाता है।

2.क्षमताएँ: क्षमताएँ जैसे-जांच करना (अवलोकन, साक्ष्यों के संग्रह, विश्लेषण, संश्लेषण), संचार (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना), समस्या -समाधान एवं तार्किक तर्क, सौंदर्य एवं सांस्कृतिक क्षमता, स्वास्थ्य, जीविका एवं कार्य के लिये क्षमताएँ, सामाजिक जुड़ाव के लिये क्षमताएँ जैसे-सहयोग, टीम वर्क।

3.मूल्य स्वभाव: नैतिक मूल्य जैसे-सेवा, अहिंसा, स्वच्छता, सभी के लिये सम्मान, लोकतान्त्रिक मूल्य आदि स्वभाव-सकारात्मक कार्य नीति, जिज्ञासा-आश्चर्य, भारत और गर्व।

NCF 2020 में प्रतिमान बदलाव जो छब्थ् का मार्गदर्शन करते हैं - NCF2020 स्कूली शिक्षा में तीन आदर्श बदलावों की कल्पना करता है जो छब्थ् का मार्गदर्शन करते हैं -

1.अधिक बहु-विषयक और समग्र शिक्षा की ओर परिवर्तन।

2.रटने की बजाय आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक सोच पर जोर देना।

3.एक नई पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना में परिवर्तन।

NCF 2023 में प्रमुख नवीनीकरण

1.बहु-विषयक और समग्र शिक्षा: NCF 2023 एक बहु-विषयक दृष्टिकोण पर जोर देता है, जो छात्रों को धाराओं के बीच कठोर अलगाव के बिना विभिन्न विषयों का पता लगाने के लिये प्रोत्साहित करता है।

2.लचीलापन और विकल्प: नया ढाँचा विषय चयन में अधिक लचीलापन और विकल्प प्रदान करता है, विशेष रूप से ग्रेड 11 और 12 के छात्रों के लिये।

3.व्यावसायिक शिक्षा पर बढ़ा हुआ फोकस: प्रारम्भिक चरण से व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण का उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक कौशल से समृद्ध करना है।

4.संशोधित परीक्षा प्रणाली : तनाव को कम करने और सीखने के परिणामों में सुधार के लिये सेमेस्टर प्रणाली और मॉड्यूलर बोर्ड परीक्षाओं की शुरूआत।

5.समग्र शिक्षा: प्रारम्भिक चरण में अनुभवात्मक शिक्षा, कला और व्यवसाय शिक्षा को एकीकृत करने पर ध्यान केन्द्रित करता है।

उपरोक्त को यथार्थ रूप देने के लिये यह फ्रेमवर्क निम्नलिखित महत्वपूर्ण पक्षों को शामिल करने की सिफारिश करता है -

तर्कसंगत विचार और स्वायत्तता

स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती

लोकतान्त्रित भागीदारी

आर्थिक भागीदारी

सांस्कृतिक एवं सामाजिक भागीदारी

पाठ्यचर्या के क्षेत्र - NCF2023 स्कूल शिक्षा में मुख्य रूप से 8 क्षेत्रों का उल्लेख करती है, जो इस प्रकार हैं -

1.भाषा: जो प्रभावी संचार को संभव बनाती है तथा इसका उपयोग तर्क और आलोचनात्मक सोच के साथ निकटता से जुड़ी हुई है।

2.गणित: जो समस्या समाधान और तार्किक क्षमता विकसित करे।

3.विज्ञान: जो प्राकृतिक दुनिया को समझने में मदद करती है। तर्कसंगत सोच व वैज्ञानिक सोच का विकास करना।

4.सामाजिक विज्ञान: यह शिक्षा सामाजिक जीवन को समझने में मदद करती है जो छात्रों को प्रभावी लोकतान्त्रिक प्रक्रिया में सक्षम बनाती है।

5.कला: कलाओं के साथ जुड़ने से हमारी रचनात्मक क्षमता में इजाफा होता है तथा सांस्कृतिक संवेदनाओं का विकास होता है।

6.अन्तः विषयक क्षेत्र: इसकी सबसे बड़ी विशेषता सोच एवं समस्या समाधान की क्षमता विकसित होने में है।

7.शारीरिक शिक्षा: इस पाठ्यचर्या के अनुसार खेलों में संलग्नता से महत्वपूर्ण नैतिक मूल्यों और संवैधानिक मूल्यों का विकास होता है।

8.व्यावसायिक शिक्षा: जिसका उद्देश्य जीविका और कार्य और आर्थिक भागीदारी के लिये क्षमता का विकास करना।

NCF2023 का महत्वपूर्ण पक्ष -

1.समग्र विकास:

NCF फ्रेमवर्क छात्रों के शारीरिक, भावात्मक, सामाजिक एवं मानसिक सम्पन्नता के विकास पर ध्यान केन्द्रित करता है। यह फ्रेमवर्क मान्यता देता है कि शिक्षा केवल अकादमिक सफलता के बारे में ही नहीं होती है, बल्कि यह छात्र के सम्पूर्ण विकास के बारे में भी होती है और इसे प्राप्त करने के लिये यह फ्रेमवर्क सुझाता है कि शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को स्कूल में शामिल करे।

2.प्रयोगात्मक सीखना:

अनुभवजन्य अधिगम में छात्रों से सीखने के अनुभव शामिल होते हैं जो छात्रों को कक्षाओं में सीखी गई बातों को वास्तविक दुनिया की स्थितियों में लागू करने की अनुमति देते हैं। इस प्रकार की शिक्षा छात्रों को विषयवस्तु की गहरी समझ विकसित करने और जानकारी को लम्बे समय तक बनाये रखने की अनुमति देती है। इसके लिये Project -Base-Learning क्षेत्र भ्रमण तथा अन्य गतिविधियों को कक्षा शिक्षण का अंग बनाना होगा।

3.तकनीकी का समावेश:

NCF 2023 School Education राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 शिक्षा में प्रौद्योगिकी के महत्व को पहचानती है और शिक्षण अधिगम में तकनीकी का समावेश करती है।

4.NCF 2023 का चरण डिजाइन:

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों का पालन करती है और स्कूली पाठ्यक्रम को चार चरणों में विभाजित करती हैं। ये चरण हैं -

1.आधारभूत चरण: (3 to 8)

2.प्रारम्भिक चरण ; (8 to 11)

3.मध्य चरण : (11 to 14)

4.माध्यमिक चरण (Phase 1 - 9 and 10 grades, Phase 2 - 11 to 12,
Age 14 to 18 Years)

5.मूल्याँकन और बोर्ड परीक्षाएँ:

छात्रों को सार्थक और चुनौतीपूर्ण मूल्याँकन के माध्यम से उच्च स्तरीय सोच कौशल विकसित करने के अवसर मिलने चाहिए।

निम्नलिखित तीन समूहों में से कम से कम दो से छात्रों को चार विषय (पाँचवा विषय वैकल्पिक के साथ) चुनने होंगे:

समूह-1भाषाएँ
समूह-2कला, शिक्षा, शारीरिक शिक्षा और कल्याण, व्यावसायिक शिक्षा
समूह-3सामाजिक विज्ञान, अंत विषय क्षेत्र
समूह-4गणित, कम्प्यूटेशन सोच, विज्ञान
NCF 2023 के मुख्य सिद्वान्त -
1.शिक्षार्थी-केन्द्रित शिक्षा
2.समग्र विकास
3.समावेशिता
4.रचनावाद
5.आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान
6.आधारभूत शिक्षा पर जोर
7.जीवन कौशल
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के कार्यान्वयन के लिये प्रमुख 4 रणनीतियों पर आधारित है -
1-शैक्षणिक विकास
2-व्यक्तिगत शिक्षा
3-डिजिटल प्रौद्योगिकी का अनुकूलन
4-शिक्षकों का व्यावसायिक विकास

NCF2023 कैसे बदलेगी शिक्षा प्रणाली -

साल 2020 में नई शिक्षा नीति का प्रस्ताव पास हुआ था, इसे तुरन्त ही स्कूल व कॉलेज शिक्षा में लागू किया जाने लगा। इससे भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई बदलाव देखने को मिले। अब NCF यानी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 के ड्राफ्ट में एजुकेशन सिस्टम में बड़े बदलाव की जानकारी दी गई है। अब बच्चों को सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं दिया जायेगा। छब्थ् ड्राफ्ट में प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं तक की शिक्षा प्रणाली में बड़े बदलावों का जिक्र है। इसमें स्किल व प्रयोगात्मक शिक्षा पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित किया गया है।

29 अप्रैल 2022 को श्री धर्मेन्द्र प्रधान (केन्द्रीय शिक्षा मंत्री, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू में आयोजित एक समारोह में) द्वारा एक दस्तावेज जारी किया गया, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया: ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 'दर्शन' है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 'मार्ग' है और यह दस्तावेज 21वीं सदी की बदलती मांगों को पूरा करने और भविष्य पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाला 'संविधान' है।''

NCF 2023 भारत में शिक्षा के लिये एक नई मार्गदर्शिका की तरह है जो बच्चों को अधिक सीखने का आनंद लेने और सोचने में बेहतर और रचनात्मक होने पर ध्यान केन्द्रित करता है।

प्री प्राइमरी व प्राइमरी स्तर पर क्या बदलाव होंगे ? -

प्री-प्राइमरी स्तर को फाउंडेशनल लेवल भी कहा जाता है। इसमें 3 से 8 साल तक की उम्र के बच्चे होते हैं। नयी शिक्षा प्रणाली में इन बच्चों को पढ़ाने के लिये खेल आधारित शिक्षा पर जोर दिया जायेगा। प्री-स्कूल से दूसरी कक्षा तक इसी विधि से पढ़ाई होगी। बच्चों को पढ़ाने के लिये खिलौने, पहेलियों जैसी विधि पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। तीसरी, चौथी और पाँचवी कक्षा के बच्चों को पढ़ाने के लिये भाषा और गणित की पुस्तकों का इस्तेमाल किया जायेगा। यहाँ भी गतिविधियों और खोज आधारित शिक्षा पर जोर दिया जायेगा। माध्यमिक स्तर यानि छठी, सातवीं और आठवीं कक्षा के बच्चों के पाठ्यक्रम में सामाजिक विज्ञान को भी शामिल किया जायेगा।

सेकेंडरी स्टेज पर क्या बदलाव किये जायेंगे (9वीं-10वीं) -

9वीं और 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को 8 सह-पाठ्यक्रम क्षेत्र के तहत 16 विषयों की पढ़ाई करनी होगी। सुझाये गये पाठ्यक्रम क्षेत्र में मानविकी विषय (जिसमें भाषायें शामिल हैं) गणित और कम्प्यूटर, वोकेशन शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, कला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और अन्तरानुशासनिक विषय शामिल हैं। विद्यार्थियों को आठ बोर्ड पेपर देने होंगे। 10वीं के अन्तिम सर्टिफिकेट हेतु 2 वर्ष का प्रदर्शन देखा जायेगा।

उच्च माध्यमिक शिक्षा (11वीं-12वीं) पर क्या बदलाव किए -

12वीं कक्षा के विद्यार्थी कॉलेज की तरह सेमेस्टर प्रणाली के हिसाब से पढ़ाई करेंगे। विद्यार्थी को 8 पाठ्य-सहगामी क्षेत्र से कोर्स चुनने का विकल्प मिलेगा। फिलहाल 12वीं में पाँच विषय होते हैं। अभी तक विद्यार्थियों के पास कोई अन्य स्ट्रीम के विषय पढ़ने का विकल्प नहीं होता है लेकिन नयी प्रणाली में वह भौतिक विज्ञान के साथ इतिहास की पढ़ाई भी कर सकेंगे।

कब से लागू होगी नयी शिक्षा प्रणाली-

सरकार ने हाल ही में बदले गये छब्थ् के आधार पर नई किताबों का ऐलान किया है। शैक्षिक सत्र 2024-25 में नए पाठ्यक्रम, नई शिक्षा प्रणाली और नई किताबों से पढ़ाई की शुरूआत की जायेगी। हालांकि, अभी तक परीक्षा प्रणाली में बदलाव, मूल्याँकन और विषयों को लेकर नई जानकारी नहीं दी गई है। शिक्षकों, अभिभावकों व छात्र-छात्राओं को सलाह दी जाती है कि वह शिक्षा प्रणाली में हो रहे मुख्य बदलावों पर अपनी दृष्टि रखे।

कक्षा की भी बदलेगी सूरत - मौजूदा दौर में छात्र कक्षा में श्यामपट्ट और शिक्षक की तरफ देखते हुए बैठते हैं। NCF ड्राफ्ट 2023 में सुझाव दिया गया है कि बच्चों को अर्द्धवृत्त (Semi-Circles); यानी आधी गोलाई में बिठाना चाहिए। उन्हें समूह में बिठाने की व्यवस्था भी की जा सकती है। सभी विद्यार्थी पढ़ाई में बराबर का भाग लें।

रचनात्मक होगी स्कूल प्रार्थना सभा या असेंबली -

NCF ड्राफ्ट में स्कूल प्रार्थना सभा के तरीके में बदलाव की बात भी है। इसके अनुसार अगर इस समय का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। स्कूल सभा को विद्यार्थियों के लिये उपयोगी और रचनात्मक होना चाहिए। वहाँ उनका समय खराब नहीं होना चाहिए। सभा या प्रार्थना सभा में कोशिश करनी चाहिए कि बच्चों को कुछ नया सीखने का अवसर मिले।

स्कूल ड्रेस और फर्नीचर में भी होगा बदलाव -

NCFमें कहा गया है कि स्कूल ड्रेस के रंग और डिजाइन को चुनते वक्त कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए। स्कूल अपने हिसाब से पारम्परिक, मॉर्डन या लिंग के प्रति तटस्थ यूनिफार्म चुन सकते हैं। कई स्कूलों में अभी भी बच्चे जमीन पर बैठ कर पढ़ाई करते हैं। बच्चों को चादर पर बिठाने व शिक्षक के कुर्सी पर बैठने की परम्परा को भी खत्म किया जायेगा। साथ ही प्रिंसिपल को किसी खास कप में चाय सर्व करने की परम्परा भी बदली जायेगी।

संस्कृति से भी जुड़ेंगे बच्चे -

छब्थ् में स्पष्ट कहा गया है कि बच्चों को भारत के गौरवशाली अतीत और इसकी समृद्ध विविधता, भौगोलिक स्थिति और संस्कृति से अवगत करवाना होगा। इससे बच्चे देश के इतिहास, कला और संस्कृति से जुड़ाव महसूस कर सकेंगे। विद्यार्थी को भारत के प्राचीन, मध्यकालीन और मॉर्डन समय के लोकतान्त्रिक मूल्यों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। छब्थ् में त्रि-भाषा सूत्र पर भी जोर दिया गया है।

NCF2023 की मुख्य विशेषतायें -

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 की कुछ मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं - NCF2023 प्रारम्भिक बचपन देखभाल और शिक्षा EC-CE पर महत्वपूर्ण जोर देता है। साक्षरता और संख्यात्मकता में एक मजबूत नींव रखता है।

यह फोकस बच्चों की समझ और भविष्य की सीखने की क्षमताओं को बढ़ाने के लिये बनाया गया है।

NCF2023 सभी बच्चों को शीर्ष स्तर की शिक्षा प्रदान करने के महत्व को रेखांकित करता है। यह हमारे देश के संविधान में उल्लिखित समतामूलक, समावेशी और विविधतापूर्ण समाज को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह ढाँचा NEP 2020 द्वारा प्रस्तावित 5+ 3 +3 + 4 संरचना के अनुरूप है जो शिक्षा को चार चरणों में व्यवस्थित करता है।

आधारभूत चरण (आयु 3-8) -

इस चरण में आंगनबाड़ी प्री-स्कूल (3 वर्ष) और उसके बाद प्राथमिक विद्यालय (ग्रेड 1-2, आयु 6-8 को कवर करते हुए) शामिल हैं। प्रारम्भिक चरण (आयु 8-11): इसमें ग्रेड 6-8 को कवर किया जाता है। माध्यमिक चरण (आयु 14-18) दो चरणों में विभाजित-पहले चरण में ग्रेड व 10 और दूसरे चरण में ग्रेड 11 व 12

बहु विषयक, समग्र और एकीकृत शिक्षा।

माध्यमिक चरण में लचीलापन और विकल्प।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 का उद्देश्य शिक्षण पद्धति सहित पाठ्यक्रम में सकारात्मक बदलावों के माध्यम से भारत की स्कूल शिक्षा प्रणाली को सकारात्मक रूप से बदलाने में मदद करता है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023, योग्यताएँ सीधे पाठ्यक्रम लक्ष्य से प्राप्त होती हैं और प्रत्येक चरण के अंत तक प्राप्त होने की उम्मीद है। स्कूली शिक्षा के प्रत्येक चरण के अंत में योगात्मक मूल्याँकन इन योग्यताओं पर आधारित होना चाहिए।

विभिन्न प्रकार की ऑडियो और लिखित सामग्री के साथ जुड़कर तर्क और कौशल विकसित करने के लिये भाषा का उपयोग करता है।

छात्र पढ़ते व सुनते समय अपने स्वयं के भावनात्मक पूर्वाग्रहों को पहचानते हैं और भाषण तथा लेखन में आधार और निष्कर्षों के बीच तार्किक संबंध बनाते हैं।

अच्छी तरह से डिजाईन की गई कक्षा में चल रहे मूल्याँकन को अवलोकित अनुसूची, बच्चों के पोर्टफोलियो, सरल भाषा, समग्र प्रगति कार्ड और प्रत्येक योग्यता के लिये रूब्रिक्स के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 पर निष्कर्ष -

निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 भारत में अधिक लचीले, शिक्षार्थी केन्द्रित और समावेशी शैक्षिक प्रतिमान की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिन्हित करता है। इसका उद्देश्य शिक्षार्थियों को आज की दुनिया की पेचीदगियों को प्रभावी ढंग से समझने के लिये आवश्यक कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाना है। यह रूपरेखा व्यापक विकास, आलोचनात्मक सोच और समावेशिता को मौलिक शैक्षिक सिद्धान्तों के रूप में बढ़ावा देती है।

NCF 2023 कक्षा-12 के लिये सेमेस्टर प्रणाली का प्रस्ताव करता है जो कि एक उत्तम विचार है। इससे छात्रों में परीक्षा को लेकर तनाव कम होगा। बच्चे अपनी रूचि के अनुसार कोई भी विषय चुन सकते हैं। यह बच्चों के सीखने का दायरा बढ़ायेगा।

NCF2023 भारतीय स्कूली शिक्षा के लिये एक महत्वपूर्ण परिवर्तन हो सकता है जो छात्रों को एक रूचिकर और सक्रिय शिक्षा का अनुभव प्रदान करने का प्रयास करता है। इस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य छात्रों के सम्पूर्ण विकास को बढ़ावा देना है जिससे उनका अकादमिक प्रदर्शन सुधर सकता है और सीखने में उत्साह बढ़ जाता है।

फ्रेमवर्क 2023 शिक्षा प्रणाली को शारीरिक, भावात्मक, सामाजिक और ज्ञानात्मक क्षेत्रों पर जोर देने के माध्यम से छात्रों के समृद्ध विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है। यह न केवल शिक्षा को एक ज्ञान अर्जित करने का साधन मानता है बल्कि इसे छात्र के सम्पूर्ण विकास के लिये आवश्यक मानता है।

फ्रेमवर्क 2023 का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सक्रिय शिक्षा का अनुभव करने में मदद करता है जिससे उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रूचि पैदा हो सके और उन्हें अपनी व्यावसायिक और व्यक्तिगत रूप से सफलता प्राप्त करने हेतु तैयार कर सके।

NCF2023 के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में किया जा रहा बदलाव न केवल छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देगा बल्कि यह भी तकनीकी प्रगति, नैतिक मूल्यों की समझ और राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करेगा। यह छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी और उच्च शिक्षा के लिये भी तैयार कर सकता है।

अतः इस प्रकार NCF2023 भारत में स्कूल शिक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है जो छात्रों को सक्रिय, सहज और सामर्थ्यवान शिक्षा का लाभ पहुँचाने का प्रयास करता है।

****

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. hindi.news 18.com *"NCF 2023 Draft"*
2. Pgtprime.com
3. Rajput JS.Waliak. Teacher Education
4. Bernad etle Robinson, Colin Latchem, Teacher Education through Open and Distance Learning, Rout ledge, 2003
5. Singh, Sundaram, Teacher Education in India
6. (2020), *National Education Policy*. New Delhi : Ministry of Education
7. https : // en. wikipiedia.org/wiki/Nati-policy-en-education
8. Arora, G.L. (1984) : Reflection on Curriculum, New Delhi, NCERT
9. Arora, G.L. (1988) : Curriculum and Quality in Education, New Delhi, NCERT
10. Ministry of Education and Social Welfare (1977) : *Report of the Review Committee on the Curriculum for the Ten-Year school,* New Delhi, ME & SW, Govt. of India
11. NCERT (1998) : The Primary years : *Towards a curriculum framework (Part-1),* New Delhi, NCERT
12. NCERT (1999) : The Primary years : *Towards a curriculum framework (Part-II),* New Delhi, NCERT
13. Ministry of Education (2019). *Draft National Education Policy 2019.*https ://www.education.gov.in/sites/upload-files/mhrd/files/draft-NEP-2019-EN-Revised.pdf